राजस्थान का एकीकरण

नाम	प्रधानमंत्री	राजप्रमुख	उद्घाटनकर्ता	दिनांक
मत्स्य संघ	शोभाराम कुमावत	उदयभान सिंह	गाडगिल	18 मार्च 1948
राजस्थान संघ	गोकुललाल असावा	भीम सिंह	गाडगिल	25 मार्च 1948
संयु. राजस्थान	माणिक्यलाल वर्मा	भूपाल सिंह	प. ज.ला नेहरू (स्वयं)	18 अप्रैल 1948
वृहद राजस्थान	हिरालाल शास्त्री	मानसिंह II	सरदार पटेल	30 अप्रैल 1949
वृहत्तर राजस्थान	हिरालाल शास्त्री	मानसिंह II		15 मई 1949
राजस्थान	हिरालाल शास्त्री	मानसिंह II		26 जन. 1950
वर्तमान राजस्था	मोहनलाल सुखाड़िया	गुरुमुख निहाल सिंह		1 नव. 1956

→ रियासत विभाग का गठन – 5 जुलाई 1947
- → मुख्यालय – दिल्ली
- → अध्यक्ष – सरदार पटेल
- → सचिव – V.P मेनन
- → रियासतें – 19
- → ठिकाने – 3 – लावा, कुशलगढ़, नीमराणा
- → केन्द्र शासित प्रदेश – 1
- → समय – 8 वर्ष 7 माह 14 दिन
- → सबसे प्राचीन रियासत – मेवाड़
- → सबसे नवीनतम रियासत – झालावाड़
- → जनसंख्या मे सबसे बड़ी रियासत – ~~जोधपुर~~ जयपुर
- → जनसंख्या में व क्षेत्रफल मे सबसे छोटी – शाहपुरा
- → क्षेत्रफल मे सबसे बड़ी रियासत – जोधपुर
- → राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना – 1953 (अध्य – डॉ फैजल अली)
- → राज्य पुनर्गठन अधिनियम – 1956 (7वां संविधान संशोधन)
- → सिरोज गाँव को मध्य प्रदेश को दिया गया तथा सुनिल एपा को राजस्थान मे मिलाया गया।

RAJASTHAN CLASSES

1. मत्स्य संघ-
→ 18 मार्च 1948
→ राजधानी - अलवर
→ प्रधानमंत्री - शोभाराम कुमावत
→ राजप्रमुख - उदयभान सिंह
→ उद्घाटनकर्ता - गाडगिल
→ मत्स्य संघ का नाम के एम मुंशी की सीफारिश पर रखा गया।
→ जिले - अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर (ABCD)

2. राजस्थान संघ-
→ 25 मार्च 1948
→ राजधानी - कोटा
→ प्रधानमंत्री - गोकुललाल असावा
→ राजप्रमुख - भीमसिंह
→ उद्घाटन कर्ता - गाडगिल
→ जिले - बांसवाड़ा, बूंदी, किशनगढ़, कोटा, झालावाड़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, शाहपुरा, टोंक + टिकाना - कुशलगढ़, लावा
→ बांसवाड़ा के शासक चन्द्रवीर सिंह ने एकीकरण के पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए कहा - मैं अपने देश (बाबू, किको, झाड़, पशारों) वोरेन्ट पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ।

3. संयुक्त राजस्थान
→ 18 अप्रैल 1948
→ राजधानी - उदयपुर
→ प्रधानमंत्री - माणिक्यलाल वर्मा
→ राजप्रमुख - भूपाल सिंह
→ उद्घाटनकर्ता - प. नेहरू
→ राजस्थान संघ मे उदयपुर मिलाया गया।
→ माणिक्यलाल वर्मा - "मेवाड़ महाराणा 20 लाख लोगों के भाग्य का फैसला अकेले नही कर सकते हैं।"

RAJASTHAN - CLASSES

4. वृहद् राजस्थान –

→ 30 मार्च 1949
→ राजधानी – जयपुर
→ प्रधानमंत्री – हीरालाल शास्त्री
→ राजप्रमुख – मानसिंह II
→ उद्घाटन कर्ता – सरदार वल्लभ भाई पटेल
→ जिले – जैसलमेर, जोधपुर, जयपुर, बीकानेर (JJJB
→ एकमात्र महाराजप्रमुख – भूपाल सिंह
→ राजस्थान की राजधानी जयपुर P. सत्यनारायण राव की सिफारिश पर बनाई गई।
→ हाई कोर्ट – जोधपुर
→ शिक्षा विभाग – बीकानेर
→ खनिज एवं कस्टम विभाग – उदयपुर
→ कृषि विभाग – भरतपुर
→ वन एवं सहकारी विभाग – कोटा

5. वृहत्तर राजस्थान

→ 15 मई 1949
→ प्रधानमंत्री – हीरालाल शास्त्री
→ राजप्रमुख – मानसिंह II
→ संयुक्त वृहद् राजस्थान
→ विलय – मत्स्य संघ
→ मत्स्य संघ का विलय डॉ शंकरराव देव समिति की सिफारीश पर हु

6. राजस्थान

→ 26 जनवरी 1950
→ प्रधानमंत्री – हीरालाल शास्त्री
→ राजप्रमुख – मानसिंह II
→ वृहत्तर राजस्थान मे सिरोही का विलय आबु और देलवाड़ा को छोड़
→ हीरालाल शास्त्री ने पटेल को पत्र लिखा – सिरोही का अर्थ गोकुल भाई भट्ट से है उसके बिना हम राजस्थान नही चल सकते।

RAJASTHAN - CLASSES

वर्तमान राजस्थान –

→ 1 नव. 1956
→ राजधानी – जयपुर
→ प्रधानमंत्री – मोहनलाल सुखाड़िया (उदयपुर)
→ राजप्रमुख – गुरुमुख निहाल सिंह
→ विलय – अजमेर मेरवाड़ा (केन्द्र शासित प्रदेश) + आबु दैलवाड़ा

RAJASTHAN - CLASSES